भारत सरकार

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4781

उत्तर देने की तारीख 31.03.2022

एमएसएमई में महिलाओं की भागीदारी

4781. श्री रतन लाल कटारिया:

क्या **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना के परिणामस्वरूप सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) देश के विभिन्न बैंकों में कितने खाताधारक है और उनमे से कितनी खाताधारक महिलाएं हैं;

(घ) क्या एमएसएमई की कामकाजी महिलाओं को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का लाभ मिला है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री

(श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा)

(क) और (ख) भारत सरकार ने बाल लिंगानुपात (सीएसआर) के मामलों में गिरावट और जीवन चक्र निरंतरता पर लड़कियों के सशक्तीकरण से संबंधित मामलों को देखते हुए जनवरी, 2015 में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (बीबीबीपी) स्कीम का शुभारंभ किया है। बीबीबीपी स्कीम का उद्देश्य जेंडर पक्षपातपूर्ण लिंग चयनात्मक प्रवृति के उन्मूलन, बालिकाओं के अस्तित्व और संरक्षण को सुनिश्चित करने और बालिकाओं की शिक्षा और भागीदारी को सुनिश्चित करना है।

सरकार ने जुलाई, 2020 में उद्यम पंजीकरण के साथ सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के लिए उद्योग आधार ज्ञापन को भरने की भूतपूर्व प्रक्रिया को प्रतिस्थापित किया है। उद्यम पंजीकरण पोर्टल पर महिलाओं के नेतृत्व वाली एमएसएमई की संख्या में संतोषजनक वृद्धि देखी गई है। वर्ष 2020-21 के दौरान पोर्टल पर महिला नेतृत्व वाली 4.9 लाख एमएसएमई पंजीकृत हुई, वर्ष 2020-21 (28.03.2022) के दौरान महिला नेतृत्व वाली लगभग 8.59 लाख एमएसएमई पंजीकृत हुई हैं।

(ग) भारतीय रिजर्व बैंक के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 31.03.2021 की स्थिति के अनुसार, देश के अधिसूचित वाणिज्यिक बैंकों में कुल 211.65 करोड़ खातों में से, 70.64 करोड़ खाते महिला खाताधारकों के हैं।

(घ) और (ङ) वर्ष 2015 में स्कीम के शुभारंभ से प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के अंतर्गत महिला उद्यमियों को विस्तारित ऋणों का राज्य-वार ब्यौरा अनुबंध में दिया गया है।

*****

अनुबंध 1

दिनांक 31.03.2022 को उत्तर के लिए लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं 4781 के भाग (घ) और (ङ) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

प्रधान मंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई)- राज्यवार श्रेणी-वार रिपोर्ट- (08.04.2015 से 25.02.2022 तक संचयी)							
							(राशि करोड़ रुपये में)
		कुल			महिलाएं (कुल में से)		
क्र.सं	राज्य का नाम	खातों की संख्या	स्वीकृत राशि	संवितरित राशि	खातों की संख्या	स्वीकृत राशि	संवितरित राशि
1	अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह	44,240	749	730	8,098	127	122
2	आंध्र प्रदेश	58,13,456	67,177	64,018	18,32,531	14,533	13,858
3	अरुणाचल प्रदेश	69,455	781	750	7,728	118	109
4	असम	91,90,086	42,305	41,158	52,30,914	19,640	19,406
5	बिहार	3,36,52,527	1,38,077	1,31,371	2,34,29,455	77,660	73,717
6	चंडीगढ़	1,45,994	2,321	2,242	43,267	304	290
7	छत्तीसगढ	67,00,525	34,538	32,952	42,99,889	14,060	13,356
8	दादरा और नगर हवेली	19,267	260	254	13,086	95	93
9	दमन और दीव	6,183	135	119	1,349	16	14
10	दिल्ली	26,42,297	28,040	27,340	17,23,872	7,067	6,938
11	गोवा	2,66,190	3,211	3,032	1,19,069	821	778
12	गुजरात	1,03,02,262	73,188	71,926	62,77,865	23,880	23,598
13	हरियाणा	63,44,471	41,882	40,535	40,99,429	14,741	14,351
14	हिमाचल प्रदेश	7,06,151	13,021	12,166	2,38,148	1,915	1,657
15	झारखंड	93,64,510	42,856	41,461	70,35,555	21,613	21,182
16	कर्नाटक	3,27,09,477	1,70,770	1,67,302	2,24,91,736	73,891	72,746
17	केरल	1,13,43,138	66,417	65,208	78,70,304	27,713	27,306
18	लक्षद्वीप	6,126	77	70	1,439	13	1 1
19	मध्य प्रदेश	2,07,77,635	1,03,386	99,893	1,45,22,750	45,855	44,906
20	महाराष्ट्र	2,68,79,637	1,53,521	1,50,101	2,11,14,194	85,834	67,053
21	मणिपुर	3,57,934	1,956	1,829	1,36,114	698	651
22	मेघालय	2,04,743	1,670	1,625	1,07,325	567	553
23	मिजोरम	83,972	1,246	1,139	41,418	475	430
24	नागालैंड	91,904	1,102	1,017	60,609	448	416
25	ओडिशा	2,30,36,023	84,972	82,499	1,80,84,309	49,593	48,461
26	पुदुचेरी	9,03,765	5,061	4,986	6,82,010	2,743	2,705
27	पंजाब	66,37,805	46,022	44,437	35,95,491	13,022	12,583
28	राजस्थान	1,45,20,288	99,347	97,166	90,99,864	30,959	30,320
29	सिक्किम	1,18,772	983	948	43,420	303	291
30	तमिलनाडु	4,03,08,448	1,85,295	1,82,806	2,64,46,737	89,988	89,235
31	तेलंगाना	50,94,712	42,932	41,996	28,49,662	13,281	13,103
32	त्रिपुरा	21,48,873	10,112	9,853	14,21,698	5,884	5,829
33	उत्तर प्रदेश	3,09,11,957	1,62,020	1,55,566	1,86,51,336	60,121	58,529
34	उत्तराखंड	20,79,868	17,691	17,033	13,35,038	5,253	5,097
35	पश्चिम बंगाल	3,39,78,944	1,52,262	1,48,644	2,71,06,138	93,175	91,314
36	संघ राज्य क्षेत्र जम्मू और कश्मीर	10,59,965	22,878	22,238	2,25,028	3,733	3,603
37	संघ राज्य क्षेत्र लद्दाख	30,570	995	976	7,777	202	197
	कुल	**33,85,52,170**	**18,19,256.50**	**17,67,383.32**	**23,02,54,652**	**8,00,339.61**	**7,64,810.28**

स्रोत: मुद्रा पोर्टल पर सदस्य ऋणदाता संस्थान (एमएलआई) द्वारा अपलोड किए गए आंकड़ों के अनुसार।